



॥ श्री महावीराय नमः ॥

॥ श्री वीतरागाय नमः ॥

॥ नमो नाणारस ॥

Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh*Conducted***MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA -DHARMIK SHIKSHAN BOARD**Website : jainshikshan.orgE-mail : jainshikshanboard@gmail.com

११ ओगस्ट २०१९ – जैन शाळा - प्रश्न पेपर – गुण – १०० समय : २ से ५

Certificate Course Level 4

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्रश्न – १ पाठ पूर्ति करो.

(२०)

- १) अप्पकिलंताणं जविणज्जं
 २) कंदप्पे अइरत्ते
 ३) अप्पडिहय छउमाणं
 ४) पित्तियं फासाकुसंतु
 ५) अविनय मिथ्यात्व मिथ्यात्व
 ६) उभओकालं दुष्पमज्जणाअे
 ७) कामगुणेहिं फासेण
 ८) पगामसिज्जाअे आऊटृण
 ९) सदहंतो अणुपालंतो
 १०) लोगस्स समाहिवर

प्रश्न – २ साचा जवाब सामे लखो.

(१०)

(जमीन संबंधी झुठ, हे पुज्य, सचित पाणी, पाटीयुं, अने वळी, आपधर्मदेव छो, चार प्रकारे करुं छुं, वंदन करुं छुं, सामायिक करुं छुं)

- १) फलग (६) भंते
 २) चउब्बिहे (७) वंदे
 ३) भोमालिक (८) दग
 ४) वावि (९) सामाइचं

५) देवयं
प्रश्न – ३ जोड़का जोड़ो

(१०) ठामि

(५)

१) अक्षरो ओछा भणाया होय	दुपद
२) चोराउवस्तु लीधी होय	अभिह्या
३) मनुष्य – पक्षी आदि बे पगा	रवाइमं
४) ऐप्रिलफूल बनाववुं	ठाणं संपत्ताणं
५) मेवा-मीठाई आदि	हीणकरवरं
६) सामा आवता हण्या होय	तेन्नाहडे
७) स्थानने पामेला	अणत्थादंडे
८) अप्रतिहत	मोहरिअे
९) स्पर्श्यु न होय	अप्पडिह्य
१०) अर्थविना दंडाय	न फासियं

प्रश्न ४

(१५)

(अ) एक वाक्य मां जवाब लखो.

(१०)

१) प्रतिक्रमण नो चोथो पाठ शेना विषे नो छे ?

२) प्रथम अणुब्रत शेना विषे नुं छे ?

३) परिग्रह अटले शुं ?

४) सावधयोग कोने कहे छे ?

५) जैने नी कुलदेवी कई ?

६) मुनिजीवन नां सेम्पल नुं ब्रत कयुं ?

७) संपूर्ण पौष्टि केटला प्रहर नो थाय छे ?

८) करण – कोटि वगर नुं ब्रत कयुं ?

९) प्रथम शिक्षाब्रत कयुं छे ?

१०) अहिंसाब्रत ना पालन थी कया गुणो प्राप्त थाय छे ?

ब) धर्मध्यान ना आधारे जवाब लखो (५)
 १) वीतराग देव नी आज्ञा शुं छे ।

२) धर्मध्यान ना आलंबन केटला ? कया कया ?
 ३) आणाविजाए कहेता शेनुं चिंतन करवुं ?
 ४) ब्रणलोक ना आकार तुं स्वरूप शेना आकारे छे ?

प्रश्न ५ साचा जवाबपर गोळ करो. (१०)

१) लेश्या	२	६	१५	४
२) गुणस्थानक	१६	१२	१४	१८
३) निक्षेपा	२	८	५	४
४) गती	४	५	१२	२३
५) आश्रव	१८	२०	१४	१२
६) प्राण	२०	५	१०	१
७) रस	६	३	४	९
८) राशि	४	८	२४	२
९) समवाय	१५	५	८	१२
१०) स्पर्शन्द्रिय	६	५	८	९

प्रश्न ६ खाली जग्या पूरो. (१०)

- १) वस्तु ना विशेष स्पष्टीकरण ने कहे छे. (समवाय, अनुयोग)
 २) अटले शरीर अथवा समुह. (काया, शरीर)
 ३) तत्व विचारणा नी पध्थति ने कहे छे. (समुह, दृष्टि)
 ४) जेनामां चेतना छे ते (जीव, अजीव)
 ५) अटले जे आवतां कर्मा ने रोके छे. (नय, चारित्र)
 ६) कोइपण एक विषय उपर मन नी अेकाग्रता करवी ते छे. (ध्यान, समकित)
 ७) जेमां आपणे एकमेक थई जईअे तेने कहे छे. (तत्व, रस)
 ८) जेना थी कार्य थाय ते समवाय छे. (समन्वय, राशि)
 ९) वस्तु ने समजवा माटे नो दृष्टिकोण छे. (दंडक, निक्षेपा)
 १०) पुदगलास्तिकाय नो स्वभाव छे. (सडन-पडन, चैतन्य)

प्रश्न ७ मने ओळखो. (१०)

- १) मारा कारणे हिंसा नी अनुमोदना तुं भयंकर पाप लागे छे.
 २) माराथी दया अने परोपकार ना संस्कार नाश पामे.
 ३) में जैनधर्म बताव्यो छे.
 ४) मने धर्म नी भाषामां गुणानुराग कहे छे.

- ५) मे रागदेष अने कषायो ने जीती लीधा छे.
- ६) मारा कारण समय, शक्ति अने संपत्ति नो व्यय थाय छे.
- ७) हुं स्वर्ग अने मोक्ष ने एक ज मानु छुं.
- ८) मने राखवाथी क्रोध नो नाश थाय छे.
- ९) हुं श्रेष्ठ धर्म छुं.
- १०) सळगतो फटाकडो मारा पर पडे तो मारी हिंसा थाय छे.

प्रश्न ८ साचु के खोटु ते लखो. (१०)

- १) देवो ना गळा नी माळाओ कायम करमायेली होय छे.
- २) रोहिणेय चोरे पुण्य ना काम कर्या हता.
- ३) जैनो ना सोळमा तीर्थकर श्री शांतिनाथ स्वामी बन्या ?
- ४) राजा श्रेणिके रत्नकंबल रवरीदी.
- ५) महावीर प्रभु ओ रोहिणेय ने धर्म नो मार्ग बताव्यो.
- ६) राजाओ न्राजवा ना एक पल्ला मां बाज ने बेसाडयुं.
- ७) अनेकजीवो नी रक्षा करवा धर्मधोषे पोताना प्राण अर्पण कर्या.
- ८) संगमे खीर संत ने बहोरावी.
- ९) भूतश्री ओ रसोई मां ऋद्धु ने अनुरूप ओयुं तुंबडी नुं शाक बनाव्युं हतुं.
- १०) धर्मरुचि नुं मासक्षमण नुं पारणु हतुं.

प्रश्न ९ काव्य पूर्ति करो. (१०)

- १) में चित्तथी नहि
..... सहु ओळे गयुं.
- २) विदारे
..... भव नी खोड.
- ३) उत्तम विलास
..... खेल्या करुं.
- ४) धन्य कपिल
..... रमणी परिवार.
- ५) हे देवता ना पूज्य
..... तो वात कयाँ ?

जय जिनेन्द्र